हिंदी प्रेस क्लब

प्रवाह

बिट्स में बहती खबरों की धारा

पिलानी - शनिवार, 9 अक्टूबर, 2010

आलोक
लोकेश
सौरभ
उज्ज्वल
कुलदीप
किशन
विकल्प
नितीश
निमिष
अर्पिता
सुरभि
स्वाति
रोहन
प्रतीक
सौरव
निशांक
अनुजा
अंजुम
रोहित
राहुल
विकास
संकल्प
अनमोल
कजरी
पूजा
मृगांक
नीतिश
सुमित
दिनेश
अभिनव
नेहा
धनंजय
सुचिता
निविदा
रिषभ
प्रकाश
अंशुल
गौरव
हर्षित
गौतम

" सपना जन्मा और मर गया ,

मधु-ऋतू में ही बाग झर गया ,

तिनके बिखरे हुए बटोरूँ ,

या नवसृष्टी सजाऊँ मैं ,

राह कौन-सी जाऊँ मैं |"

प्रिय पाठकों ,

' कविहृदय' माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की उक्त पंक्तियों में 'आज का बिट्सियन' अनायास ही जकड़ा हुआ स्पष्ट नज़र आता है | और इससे पहले कि वह किसी निष्कर्ष पर पहुंचे , वह स्वयं को इस अभिन्न चक्र का हिस्सा पाता है , जिसकी शुरुआत ठीक 'कभी ना पूरे होने वाले किन्तु सदैव आशावादी ' संकल्पों पर होती है , और खेल-कूद के कुछ तमगों ' केवल प्रदर्शनीय प्यार ' पर वाद-विवाद , राष्ट्र-मंडल खेलों की Facebook विवेचना , यही कुछ 50-100 मामूली से प्रतीत होती 'हग्नि'-परीक्षाओं से होते हुए , एक दूजे को रुख्सत कर अंत होता है |

इसका अंश बन , हम कुछ मायनों में तो इतने मंझे हुए खिलाड़ी हो गए हैं कि दिग्गज भी कुछ क्षणों के लिए सामने आने से कतरा जाएँ , जैसे कि व्यक्ति विशेष का वर्णन | हाल– फिल्हाल आर के नारायण द्वारा ' पुनः वर्णित ' (retold) रामायण के प्रमुख पात्रों का परिचय पढ़कर मुझे एहसास हुआ कि प्रायः विंग,ANC,आदि सामाजिक मेल-मिलाप में किसी व्यक्ति का सौंदर्य और छवि को कभी तो हम श्रीराम और सीताजी के समक्ष रख देते हैं और मौका पाते ही, सुबाहु और शूर्पणखा बना डालते हैं |

कभी लगता है कि इन सबमें छिपा आनंद ही हमारी जीवनरेखा बनकर हमें इस चक्रव्यूह से मुक्ति दिलाने में अहम भूमिका अदा करता है | काश ! मैं इस चक्रव्यूह का हिस्सा ना हो , इसके रचयिता से मिल ,मन में उठे विचारों की इन सशक्त लहरों को किनारा दे पाता | पर काश भी काश रहेगा |

अभी तो रात्रि के 01:00 बजे इस चक्र के एक अहम पहलु ' ID कार्ड ' देना को अंजाम देने ANC चला |

तब तक के लिए OASIS की शुभकामनाएँ और मेरा TATA

और हाँ , ' रामायण ' पर एक नज़र ज़रूर डालिएगा |

-आलोक

CHEMXSERE

IICHE द्वारा आयोजित किया गया रसायन यांत्रिकी का पर्व CHEMXSERE बिट्स पिलानी का पहला रासायनिक उत्सव था | पूर्णत: 30 घंटों का यह पर्व 1 अक्टूबर से आरंभ हुआ तथा 3 अक्टूबर की रात 9:30 बजे समापन समारोह के साथ सम्पूर्ण हुआ | इस पर्व का बजट 25000 रूपये रखा गया था | केमिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने उत्साहपूर्वक इस पर्व में भाग लिया | कुल 5 कार्यक्रम - केमिकल इंजीनियरिंग क्विज़, स्क्रैप-हीप चैलेन्ज , राईज़ ऑफ केमपायर्स , सिमुलेशन वर्कशॉप और रिसोर्स ऑप्टिमाइज़ेशन इस उत्सव में आयोजित किए गए थे |

2 अक्टूबर को सायंकाल 5:30 से 8:30 बजे तक सिमुलेशन वर्कशॉप आयोजित हुई | इसमें केमिकल इंजीनियरिंग के अद्भुत सॉफ्टवेयर ASPEN PLUS से छात्रों को रुबरू कराया गया | कुल 118 छात्र इसमें उपस्थित थे | श्री बशीर अहमद ने इसपर व्याख्यान देते हुए यूनिट ऑपेरशनों के बारे में जानकारी प्रस्तुत की |

3 अक्टूबर को सुबह 9 से 12 बजे तक रिसोर्स ऑप्टिमाइज़ेशन के सन्दर्भ में विचार व्यक्त किये गए | इसमें 2-2 छात्रों की टीमें बनाई गयीं | कुल 26 टीमों ने इसमें भाग लिया | इसके पश्चात दोपहर 1 से 5 बजे तक स्क्रैप-हीप चैलेन्ज के अंतिम चरण का आयोजन हुआ जिस मुकाबले में SAE की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया | इसमें, पहले चरण से 5 टीमों को अंतिम चरण के लिया चुना गया था | पहला चरण 2 अक्टूबर को हुआ था जिसमें 120 प्रतिभागी शामिल थे |

शाम 6 से 7:30 बजे तक सिमुलेशन वर्कशॉप पर एक प्रश्नावली रखी गई | इसमें 50 तृतीय वर्षीय छात्रों ने भाग लिया | इस इवेंट में बाहर के प्रतिभागियों में BBD, NITM लखनऊ और भारत प्रौद्योगिकी संस्थान ,मेरठ की टीमें मौजूद थी | इवेंट के आयोजक शशांक मिश्रा और नितीश भट्ट थे एवं प्रायोजक -इंडियन ऑयल (गुजरात रिफायनरी) थी |

आदित्य बिरला छात्रवृत्ति

आदित्य बिरला छात्रवृत्ति के लिए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कड़ी प्रतिस्पर्धा थी | पहले बिट्स में होने वाले साक्षात्कार में उत्तीर्ण होना उसके पश्चात् मुंबई में बिट्स का प्रतिनिधित्व करना कोई आसान बात नहीं है | इस वर्ष चार विद्यार्थियों ने मुंबई में बिट्स का प्रतिनिधित्व किया तथा चारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आदित्य बिरला छात्रवृत्ति जैसी महत्त्वपूर्ण उपलब्धि को प्राप्त किया | उन चार विद्यार्थियों में प्रथम वर्ष के **प्रकाश सिंह , शुजा सबीर ,अंकिता सरदा** तथा **वैभव ग्रेवाल** जो कि बिट्सैट टॉप स्कोरर हैं, शामिल थे | इसके अतिरिक्त आई.आई.टी के 7 विद्यार्थियों ने भी

यह छात्रवृत्ति प्राप्त की | आई.आई.टी व बिट्स के विद्यार्थियों के लिये आदित्य बिरला छात्रवृत्ति में 65000 रु की धनराशि प्रदान की जाती है | इसके लिये पूरे वर्ष में 3 बार उनके शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन भी किया जाता है |

निर्माण- जॉय फेस्ट

26 सितम्बर से 3 अक्टूबर के दौरान "निर्माण" द्वारा स्टूडेंट्स यूनियन के सहयोग से "जॉय फेस्ट" का सफलतापूर्ण आयोजन किया गया | यह फेस्ट राष्ट्रभर में इस दौराण चल रहे "जॉय ऑफ गिविंग वीक" का ही एक हिस्सा था | इसके अंतर्गत हमारे केम्पस में आयोजित इवेंट्स में बिट्सियन जनता ने अपना भरपूर योगदान दिया| डिनर ऑफ जॉय के अंतर्गत बिट्स की grubs की प्रथा की तर्ज़ पर ही सप्ताह के अंत में मेस कर्मचारियों , सुरक्षाकर्मियों आदि के लिए VKB मेस में रात्रिभोज का आयोजन किया गया | सभी लोगों ने इसमे बड़े उत्साह से भाग लिया और कर्मचारियों ने निर्माण की इस पहल की सराहना की | "जॉय फेस्ट" के अध्यक्ष, अनिल, जो कि निर्माण के ही सदस्य हैं, ने बताया कि इसके लिए लगभग 1200 विद्यार्थियों ने मेस साइनिंग में भागीदारी दर्ज कराई | इस आयोजन से सभी कर्मचारियों को एहसास हुआ कि बिट्स की जनता उनकी कितनी परवाह करती है | **बचाओ** : यह प्रयास पानी व खाने को व्यर्थ न करने के लिए प्रेरित करने के लिए एक पहल थी | इसके लिए मेस, वाश्बेसिंस व वाटरकूलर्स के पास छोटे-छोटे पोस्टर्स लगाये गए जिनका प्रभाव निश्चय ही देखने को मिला| स्यूजिक क्लब द्वारा ज्ञान विहार में कार्यक्रम : इसके अलावा इस सप्ताह के दौरान म्यूजिक क्लब के सहयोग से ज्ञान बोध के बच्चों के लिए रंगारंग संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया| बच्चों ने इस अवसर पर खूब लुत्फ़ उठाया | साथ ही साथ म्यूजिक क्लब के सदस्यों के लिए भी यह अपनी तरह का पहला अवसर था |

इन तीनों ही इवेंट्स के लिए आर्थिक सहायता हर भवन से पुराने अखबारों को एकत्रित कर उन्हें बेचकर प्राप्त की गयी | इसमें भी बिट्सियन जनता ने अपना भरपूर साथ दिया जिसके लिए निर्माण ने आभार व्यक्त किया| सम्पूर्ण सप्ताह एक बड़े ही अच्छे व सुचारू ढंग से गया तथा बहुत से चेहरों पर मुस्कान लाने में कामयाब रहा |

बॉसम रिव्यू समिति

बॉसम रिव्यू समिति की बैठक 29 सितम्बर को सैक के AMPHI-थियेटर में हुई, जहाँ पर बॉसम-2010 की उपलब्धियों और खामियों पर विचार-विमर्श किया गया | इस बैठक में अधिकतर खेलों के कप्तान मौजूद नहीं थे | बॉसम में पीसीआर का कार्य उल्लेखनीय रहा, इस बार बॉसम में कुल 1080 प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में अपने जौहर दिखाए, जिसमे श्रीलंका से आई टीम भी शामिल थी | इस बॉसम 'रेक एंड ऐक' (rec and acc) डिपार्टमेंट का कार्य निराशाजनक रहा , जिसकी वजह से बाहर से आये हुए प्रतिभागियों को कई मुसीबतों का सामना करना पड़ा | गंदे कमरे, बिजली , पेय जल सम्बन्धी परेशानियाँ उनके सामने उभर कर आयीं | नतीजतन प्रतिभागियों के रहने की व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी | बॉसम स्पोंज़ ने बताया इस बार बॉसम के लिए 15 लाख से भी अधिक स्पांसरशिप मिली | साथ ही साथ बिट्स की ओरे से पहली बार आयोजित की गयी आनलाइन गेमिंग प्रतियोगिता इग्नीशन भी काफी सफल रहा जिसमें बिट्सियन जनता ने भरपूर उत्साह दिखाया |

क्षणिका

हैस उर्फ़ हिंदी एक्टिविटीज़ सोसायटी द्वारा दिनांक 6 अक्टूबर को यह इवेंट SAC में आयोजित किया गया | वैसे तो हैस की ओरे से क्षणिक हमेशा ओएसिस में ही कराई जाती है, पर इस बार ये उनका पहला बिट्सियन एलिम्स था | इस कार्यक्रम की प्रमुख मंशा छात्रों के हिंदी की समझ और प्रयोग को परखने की थी | कार्यक्रम में प्रतियोगियों की संख्या औसत थी, जबकि इससे काफ़ी अधिक मात्रा में प्रतियोगियों की संख्या हैस अपने कार्यक्रमों में पहले बटोर चुका है | बिट्सियन संस्कृति की तर्ज़ पर यह कार्यक्रम अपने निर्धारित समय से करीब 30 मिनट देरी से आरंभ हुआ जिसका प्रमुख कारण छात्रों की कमी नज़र आ रहा था |कार्यक्रम की शुरुआत एलिम्स से हुई जिसमें छह-छह प्रतिभागियों को स्टेज पर आमंत्रित करके उन्हें 'रूपांतरित' की हुई कहावतें दी गयीं जिनपर उन्हें करीब एक मिनट तक बोलना था | यह एक बज़र राउंड था | व्याकरणिक भूल होने अथवा अटकने पर दूसरा व्यक्ति आपत्ति जता कर बोलना शुरू कर सकता था | इस राउंड के द्वारा बिट्सियन छात्रों की हिंदी की समझ काफ़ी हद तक स्पष्ट हो गयी | कोई कहावत भूल रहा था तो कोई विषय से ही भटक रहा था | इस राउंड का दर्शक खास रूप से आनंद उठा रहे थे | खैर , इस प्रकार पांच बार में यह प्रथम राउंड समाप्त हुआ जिसके अंत में 6 छात्रों को फाइनल राउंड में जगह मिली | द्वितीय चरण 'Ad Mad ' में सभी प्रतिभागियों को एक-एक उत्पाद दिया गया जिनपर उन्हें विज्ञापन बनाकर पेश करना था | इस राउंड में थोड़ी धृष्ट भाषा का प्रयोग हुआ | आखिरी चरण के अंतर्गत प्रतिभागियों को भगवान से विनती करनी थी कि क्यों वे बाकी प्रतिभागियों से अच्छे हैं और उन्हें भगवान का स्थान मिलना चाहिये | इसके लिए सभी को एक– एक मिनट दिया गया | इस राउंड में विजेता अंकुर ने बाकियों से काफी अच्छी दलीलें दी और तालियाँ भी बटोरीं | इस प्रकार HAS का यह मज़ेदार कार्यक्रम समाप्त हुआ |

गुरुकुल संध्या

गुरुकुल द्वारा आयोजित शाम में आये दर्शकों को, बिट्स में पहली बार, एक अत्यंत सुहावनी संध्या और शांतिपूर्ण वातावरण का मनोरंजक समागम देखने को मिला | इस छमाही की पहली ऐसी शाम, जिसे न केवल बिट्स के छात्रों, बल्कि प्रधायापकों का भी पूरा उत्साहवर्धन मिला | इस संगीतमय शाम की शुरुआत हुई गुरुकुल विभाग के सबसे वरिष्ट सदस्य कार्तिक और दुसरे वर्ष के छात्र सिद्धार्थ के गीत 'अलबेला सजन आयो रे' से | पहले ही गीत ने आँडी में बैठी सारी जनता को मंत्रमुग्ध कर दिया | तालियों की गड़गड़ाहट से सारा आँडी गूँज उठा | बस फिर क्या था, एक के बाद एक खूबसूरत गीतों की लड़ी ऐसी लगी की वहां बैठे सारे श्रोता उस सुर-ताल की माला के मोती बनते चले गए | समग्र, निखिल, पियूष, वैभवी और रौनक ने तो जैसे सारी महफ़िल को चार चंद लगा दिए | कई सारे गानों के बीच भी, श्रोताओं का अनुराग बनाये रखने में गुरुकुल के कार्तिक का काफी योगदान रहा | 'ऐ खुदा ', 'नैना ठग लेंगे' और 'तेरे नैना' आदि गानों को दर्शकों की भरपूर वाहवाही मिली | संध्या का समापन, प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा प्रस्तुत 'चप्पा चप्पा चरखा चले' के साथ हुआ, जिसकी धुन पर वहां मौजूद सभी लोगों ने थिरकते हुए आँडी से प्रस्थान किया | किशोर दा का 'ये शाम मस्तानी' मानो वास्तविकता की मेज़ पर परोसा जा रहा था |

कोपेनहेगेन

EDC का नाटक– कोपेनहेगेन,जिसे शैलेन्द्र सिंह राणा ने निर्देशित किया,पिछले माह की 30 तारीख़ को प्रस्तुत किया गया | नाटक में कुल 6 लोगों ने अपने अभिनय का प्रदर्शन किया | नाटक की विषयवस्तु मूलतः दो विख्यात हस्तिओं – नील्स बोर एवं वर्नर हेंसेन्बर्ग पर आधारित थी | नील्स बोर का पात्र प्रशांत मित्तल, हेंसेन्बर्ग का पात्र सूर्या रमन और नील्स बोर की पत्नी "मार्ग्रेट" का पात्र अंकिता वासवानी द्वारा बखूबी अदा किया गया| नाटक दर्शकों को बहुत पसंद आया परन्तु कुछ तकनीकी खराबियों के कारण बीच-बीच में बाधा उत्पन्न हो रही थी| सारांश में कहा जाए तो नाटक दर्शकों को आकर्षित करने में काफ़ी हद तक सफल रहा |

भगवान चल बसे

11 सितम्बर को हिंदी ड्रामा क्लब ने इस सेमेस्टर का अपना पहला नाटक “भगवान चल बसे “ प्रस्तुत किया| बारिश के मौसम में नाटक देखना पूरी तरह से सार्थक था| पूरा ऑडी दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था| अनिरुद्ध बजाज और प्रणय पांडे ने द्वारा निर्देशित यह नाटक वोडी एलेन के नाटक “GOD ” पर आधारित था| नाटक के रंगमंच को बड़े ही रोचक ढंग से सजाया गया था | इस नाटक में अलक्षित त्रिपाठी ने नौकर, रजत शर्मा ने लेखक और प्रकर्ष गुंजन ने नायक की भूमिका अदा की| नाटक की समाप्ति के साथ ही ऑडी तालियों की गड्गड़ाहट से गूंज उठा साथ ही नाटक के निर्देशक ने सभी प्रतिभागियों का दर्शकों से परिचय करवाया |

कैम्पस से जुड़ी अन्य ख़बरों के लिए देखते रहें **hpc-bits.blogspot.com**

अपने सुझाव हमें भेजें - **hindipressclub@gmail.com**

वर्ल्ड स्पेस वीक

वर्ल्ड स्पेस वीक यह वार्षिक अनुसरण 4 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक विश्व भर में यूनाईटेड नेशन जनरल असेम्बली द्वारा आयोजित किया जाता है |

4 अक्टूबर, 1957 को मनुष्य के हाथों से बना पहला उपग्रह “Sputnik-I” लॉन्च किया गया था तथा 10 अक्टूबर 1967 को “Outer Space Treaty” घोषित तथा साइन की गयी थी | बिट्स पिलानी के एस्ट्रो क्लब ने इस अवसर पर अनेक कार्यक्रम रखे | 7 अक्टूबर को एनएसएस तथा निर्माण की सहायता से आसपास के बच्चों के लिए “Sky Watching Session” रखा गया |

8 अक्टूबर को बिट्स पिलानी के प्रोफेसर आर.आर.मिश्र ने “ Tidal Forces “ पर अपनी खोज और विचार सबके समक्ष रखे |

9 अक्टूबर को “स्पेस इंडिया” दिल्ली के अध्यक्ष चंदर देवगन “वंडर्स ऑफ नाईट स्काय” पर प्रकाश डालेंगे |

10 अक्टूबर को बिट्स पिलानी के प्रोफेसर एस.एन. करबेलकर प्राध्यापकों के लिए “Mysteries Of The Sky” पर नए पेहलू सामने लायेंगे | इन सभी कार्यक्रमों में बी.ई.टी के कार्यकर्ता तथा बिड़ला बालिका विद्यापीठ के सभी विद्यार्थी भी आमंत्रित थे | अंत में सभी ने एस्ट्रो क्लब की तारीफ करते हुए कहा की इससे न केवल लोगों में स्पेस के लिए जागरूकता बढ़ेगी अपितु सभी प्रकार की गलत धारणाएं भी दूर होंगी | इस तरह बिट्स पिलानी के एस्ट्रो क्लब ने दुनियाभर में चल रहे इस विशेष उत्सव को यहाँ पर भी मनाया |

आज से **प्री-ओएसिस एक्स्ट्रावेगैन्जा** वीकएंड की शुरूआत |

10 सितम्बर- 'बॉस्को एंड सीजर' डांस वर्कशॉप- मेस सिटिंग्स |
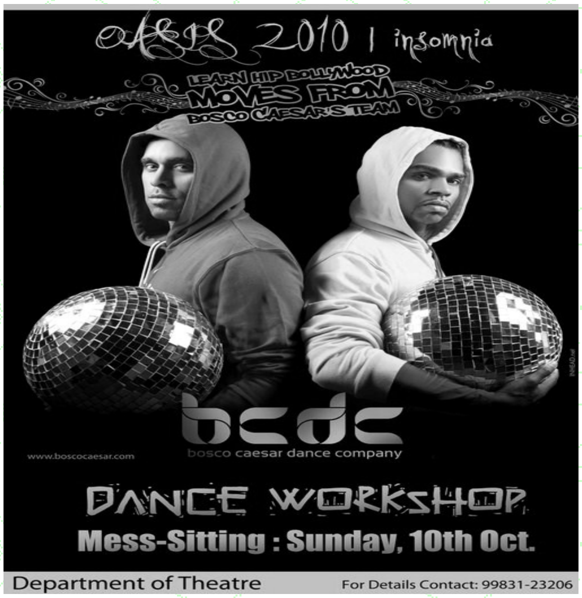
11 सितम्बर- मिस्टर एंड मिस ओएसिस के लिए रजिस्टर करने की अंतिम तिथि |